विदर्भ स्वाभिमान

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे www.vidarbhswabhiman.com 9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 17 से 23 अप्रैल 2025 ❖वर्ष :15 ❖ अंक- 43 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

खुशियों के कुछ टिप्स

जीवन में हमारा कर्म कभी चूकता नहीं है.सदैव यह भाव रखना चाहिए कि अगर मैं किसी का अच्छा नहीं कर सकता हूं तो मुझे किसी का बुरा नहीं करना चाहिए. समय के साथ हमारे कर्म आगे आते हैं. विश्वास करने वाले के साथ घात से बड़ा पाप नहीं होता है.

पेज नंबर 2
मुफ्त बिजली संवारेगी राज्य के किसानों का जीवन

पेज नंबर 3
सीपीडीए का अभियान, 19-20 को चार रक्तदान शिविर

पेज क्र.6
आदर्श शिक्षिका योगिता मिलींद शिरभाते के सामने मौत भी हारी,परिवार की लाड़ली बहू नहीं रही

पेज नं. 7
पार्वती नगर में 29 से शिव महापुराण कथा, तैयारियों में लगे क्षेत्रवासी, भव्य प्रतिसाद

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

विदर्भ का विकास कर लाएंगे मुख्य धारा में

अमरावती हवाई अड्डे के लोकार्पण पर मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने किया वादा

पायलट प्रशिक्षण केंद्र ने अमरावती को विश्व मानचित्र पर ला खड़ा किया,हवाई अड्डा अमरावती को देगा नई पहचान

विदर्भ स्वाभिमान, 16 अप्रैल

अमरावती-अत्याधुनिक अमरावती हवाई अड्डे और पायलट प्रशिक्षण केंद्र के कारण अमरावती को विशेष पहचान मिलेगी. आने वाले समय में आम नागरिकों के लिए सिंचाई, बुनियादी ढांचे और तेज़ यात्रा की सुविधाएं तैयार की जाएंगी. मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि विदर्भ के विकास को गति दी जाएगी. **शेष पेज 8 पर**

जनता का प्रेम ही मुझे देता है सबसे बड़ी ताकत-एड. देशपांडे

शहर के लिए कुछ खास करने का रहेगा सदैव प्रयास

विदर्भ स्वाभिमान,16 अप्रैल

अमरावती- हमारा शहर सबसे बेहतरीन शहर है, सदैव मां अंबा की कृपा बनी रहती है. मुझे और मेरे परिवार को सदैव शहरवासियों का अपार प्रेम मिला है. उनके प्रेम को लौटाने का प्रयास सेवा के माध्यम से करने का सदैव प्रयास रहेगा. इस आशय का मत सुख्यात अधिवक्ता, भाजपा के युवा नेता एड.प्रशांत देशपांडे ने व्यक्त किया. उनके मुताबिक शहरवासियों का अपार प्रेम सदैव उन्हें मिला है. लोगों का यही प्रेम लौटाने का प्रयास करता हैं. मेरे जन्मदिन पर जिस तरह से लोगों का अपार प्रेम मिला, यह मेरे लिए यादगार रहेगा. लोगों का यही प्रेम मुझे सदैव अच्छा करने की प्रेरणा देता है. शहरवासियों की सेवा मैं सदैव तत्पर रहने के साथ ही जन्मदिन पर शुभकामनाएँ देने वालों के प्रति कृतज्ञता जतायी. साथ ही सदैव लोगों का यही प्रेम मिलने का विश्वास एड. प्रशांत देशपांडे ने जताया. श्री हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल के कार्यकारी अध्यक्ष के साथ दर्जनभर से अधिक संगठनों के पदाधिकारी के रूप में वे जनसेवा में सदैव तत्पर रहने के कारण अपार लोकप्रिय हो रहे हैं.

श्री वेंकटाचल की महिमा

कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा की 13वीं किश्त पेज 4 पर अवश्य पढ़ें. जय गोविंदा,जय

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

मुफ्त बिजली संवारेगी किसानों का जीवन

मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस द्वारा किसानों को वर्ष 2026 से बारह घंटे मुफ्त बिजली की घोषणा निश्चित तौर पर किसानों के लिए बड़ी तारक वाली स्थिति है. इस घोषणा का स्वागत किया जाना चाहिए. महाराष्ट्र में बिजली की दरें सबसे अधिक हैं, इसे भी अगले साल से कम करने की बात उन्होंने वर्धा में कही है. अगर सचमुच इस पर अमल होता है तो महंगाई से त्रस्त राज्य की जनता के लिए बड़ी खैरात से कम नहीं होगी. कभी सरकारी मार तो कभी मौसम की मार के कारण किसानों की समस्या लगातार गहराई की जा रही है. मौसम के कारण हमेशा किसानों को भारी नुकसान होता है और फसले तबाह हो जाती हैं. इस देश की कितनी बड़ी विडंबना है कि यहां 8 घंटे की ड्यूटी करने वाले सरकारी कर्मचारी का वेतन भारी भरकम है और 24 घंटे खेत में पसीना बहाने वाले किसानों के मामले में वह न्याय क्यों नहीं लग पाता है. देश का किसान सबसे ज्यादा परेशान होता है लेकिन दुर्भाग्य की बात है की मौसम की मार अथवा सरकारी मार के कारण वह हमेशा परेशान ही रहता है.

राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अगले साल से किसानों को 12 घंटे मुफ्त बिजली देने की जो घोषणा की है उम्मीद की जानी चाहिए कि मुख्यमंत्री की यह घोषणा केवल घोषणा नहीं रहेगी बल्कि किसानों को 12 घंटे बिजली देकर उनकी फसलों को समय पर पानी देने का प्रयास किया जाएगा. कभी बारिश नहीं होने तो कई बार अत्यधिक बारिश के कारण फसले बर्बाद हो जाती हैं. संतरे का उत्पादन जब अधिक होता है तो उसकी कीमतें व्यापारियों द्वारा कम कर दी जाती हैं ऐसे में नुकसान किसानों को ही होता है. किसानों पर पसीना बहाने वाली मेहनत करने के बाद भी हमेशा मरता क्या ना करता वाली स्थिति रहती है. उत्पादन कम होता है तो भी किसान का नुकसान होता है और अगर उत्पादन अधिक होता है तो बाजार में उस उत्पाद की कीमत घटकर इसका भी नुकसान किसानों को ही होता है वर्धा में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि दिसंबर 2026 से राज्य के 80 फ़ीसदी किसानों को सालभर हर दिन 12 घंटे मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई जाएगी साथ ही अगले 5 वर्षों में आम नागरिकों का बिजली का बिल हर साल धीरे-धीरे काम करने का प्रयास किया जाएगा. मुख्यमंत्री की घोषणा में कितनी सच्चाई है यह तो पता नहीं लेकिन इस सच्चाई से कोई भी इनकार नहीं कर सकता कि भारत में एक बार महंगी हुई कोई चीज सस्ती होने का इतिहास बहुत कम है. ऐसे में अगले साल से बिजली की दरें कम करने संबंधी मुख्यमंत्री की घोषणा कितनी विश्वसनीय है इस बारे में फिलहाल कुछ कहना मुश्किल है. किसानों के साथ मध्यम व गरीब परिवारों की चिंता भी मुख्यमंत्री ने जताई और उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों को सौर ऊर्जा का लाभ देने का प्रयास सरकार द्वारा किया जा रहा है. किसानों की स्थिति सुधारने के बाद ही देश की स्थिति स्वयं सुधर जाएगी लेकिन दुर्भाग्य की बात है की सबसे अधिक मेहनत करने के बाद भी आज भी देश में किसान सबसे अधिक उपेक्षित रहता है. मुख्यमंत्री की पहल निश्चित ही सराहनीय कही जानी चाहिए.

हवाई यात्री सेवा को अपार संभावना

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

अमरावती शहर में जिस तरह से यात्री ट्रेन हाऊसफुल में चल रही हैं, वैसे ही हवाई यात्री सेवा को भी अपार संभावना है. इसका अनुभव 16 अप्रैल को एलायंस एअर की टिकटों की कुछ मिनट में बुकिंग से स्पष्ट हो गया है. इससे जहां लोगों को सुविधा मिलेगी, वहीं अमरावती का औद्योगिक विकास भी गति पकड़ेगा. अमरावती से मुंबई के साथ ही दिल्ली, अहमदाबाद, प्रयागराज,लखनऊ, सूरत के साथ ही कई शहरों के लिए अगर यह सेवा शुरू की जाए तो निश्चित तौर पर हवाई सेवा कंपनी की भी बल्ले-बल्ले होगी और बड़े पैमाने पर कमाई करने के रास्ते खुलें गे. अमरावती के बेलोरा हवाई अड्डे के नामकरण को लेकर नाहक ही विवाद पैदा किया जा रहा है. यह फैसला सरकार पर छोड़ देना चाहिए. लेकिन दुर्भाग्य की गांव बसा नहीं कि विवाद तैयार वाली स्थिति अमरावती शहर की औद्योगिक विकास के मामले में भी हो रही है. उद्योग लाने में कम लेकिन परेशान करके भगाने वाली मानसिकता बदलनी चाहिए.

नागपुर के बाद विदर्भ का सबसे बड़ा शहर है. लेकिन यह दुर्भाग्य है कि जिस तरह से नागपुर के सभी नेताओं द्वारा मिलकर शहर का तेजी से विकास किया जाता है वह स्थित अमरावती के नेताओं के मामले में नहीं है. यही कारण है कि तमाम संभावना रहने के बावजूद भी अमरावती औद्योगिक और सुविधाओं के लिहाज्य पीछे गया है. यह संतोष की बात है कि अमरावती के बेलोरा हवाई अड्डे से 16 अप्रैल को एलाइंस एयर का यात्री विमान पहली बार यात्रियों को लेकर उड़ान भरने वाला है. इससे पहले बेलोरा हवाई अड्डे पर इस कंपनी द्वारा किया गया ट्रायल न केवल सफल रहा बल्कि यह भी कम सौभाग्य की बात नहीं है कि हवाई यात्रा का पता चलते ही महज 25 मिनट में इस विमान की 72 सीटें बुक हो गई. यह इस बात का संकेत है कि अगर अमरावती से नियमित हवाई यात्री सेवा शुरू हो तो कंपनी को यात्रियों की कमी किसी भी रूप में नहीं मिलेगी. इससे जहां अमरावती के व्यापारियों, आर्थिक रूप से मजबूत वर्गों को जल्द से जल्द यात्रा पूरी करने और समय बचाने के कारण अन्य कामों को करने में आसानी होगी वहीं दूसरी ओर 16 अप्रैल को यात्री हवाई सेवा के बाद क्या स्थिति होती है इस पर बहुत कुछ निर्भर करता है.

सबसे पहले अमरावती से मुंबई की उड़ान भरी जाने वाली है. पिछले कई वर्षों से नेताओं के दावे के चलते हवाई अड्डे का काम हवा हवाई जैसा दिखाई दे रहा था. इस हवाई अड्डे का जितना निरीक्षण अमरावती जिले के नेताओं ने किया होगा महाराष्ट्र में शायद ही कोई दूसरा हवाई अड्डा हो जहां इतनी बार दौरा करने के बाद भी हवाई अड्डे से यात्री विमान सेवा को शुरू होने में इतना समय लगा. बीती बातों को भुलाते हुए अमरावती जिले के दो सांसद और सभी विधायकों को मिलकर अमरावती से न केवल मुंबई बल्कि अमरावती से दिल्ली सहित अन्य प्रमुख नगरों के लिए भी हवाई सेवा शुरू करने का प्रयास करना चाहिए. किसी भी शहर की प्रगति के लिए रेलवे सुविधा, विमान सुविधा का अत्यधिक महत्व होता है. किसी उद्यमी के पास इतना वक्त नहीं होता है कि वह रेलवे में धक्के खाते हुए कहीं जाएगा और उस शहर में करोड़ रुपए का निवेश करने का प्रयास करेगा. अमरावती का औद्योगिक विकास पिछले कुछ वर्षों से ठप हो गया है यही कारण है कि अमरावती शहर में उच्च शिक्षा महाविद्यालय बड़े पैमाने पर बढ़ रहे हैं लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि यहां पढ़े लिखे युवाओं को उनकी योग्यता के मुताबिक रोजगार की संभावना नहीं है. हवाई अड्डे से यात्री सेवा शुरू होने के बाद अमरावती में बड़े पैमाने पर उद्योग कारखाने आएंगे और इससे अमरावती की बेरोजगारी जहां खत्म होगी वहीं दूसरी ओर अमरावती के पांच सितारा एमआईडीसी में उद्योगों की संख्या बढ़ने पर बड़े पैमाने पर रोजगार का सृजन होगा और इसके माध्यम से अंबा नगरी भी सुजलाम सुफलम होने से इनकार नहीं किया जा सकता.

अमरावती जिले के पालक मंत्री दबंग नेता के रूप में जाने जाते हैं. ऐसे में उनके पालक मंत्री के रूप में अमरावती का तेजी से विकास अगर होता है तो निश्चित तौर पर इसका लाभ अमरावती जिले के लाखों लोगों को होगा. पालक मंत्री ने परसों संकेत दिया कि अमरावती मुंबई के बाद अमरावती से सीधे दिल्ली के लिए फ्लाइट का प्रयास किया जा रहा है. एक बार अमरावती शहर अगर हवाई अड्डे के माध्यम से जुड़ जाता है तो निश्चित तौर पर जिले के विकास को पंख लगेंगे और हवाई यात्री सेवा का भारी लाभ न केवल अमरावती के औद्योगिक विकास के लिए होगा बल्कि बड़ी-बड़ी कंपनियां यहां पर आकर बेरोजगारी की समस्या से भी छुटकारा मिलने से इनकार नहीं किया जा सकता. उम्मीद की जानी चाहिए कि अमरावती के सभी नेताओं में इनका स्वयं का अहंकार खत्म होगा और यह सभी नागपुर के नेताओं की तरह अमरावती जिले के सर्वांगीण विकास के लिए सभी मिलजुल कर राज्य तथा केंद्र सरकार पर दबाव डालते हुए अमरावती सी केवल मुंबई बल्कि अमरावती से दिल्ली, अमरावती से तिरुपति, अमरावती से प्रयागराज सहित अन्य प्रमुख महानगरों के लिए हवाई सेवा शुरू करने की दिशा में प्रयास करेंगे. सभी नेताओं को एक-एक बड़े शहर के उड़ान के लिए प्रयास करना चाहिए.

अमरावती के उभरते नेतृत्व हैं एड.प्रशांत देशपांडे

न्याय क्षेत्र में कामयाबी का झंडा गाड़ने के बाद जगविख्यात हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल के कार्यकारी अध्यक्ष के साथ ही भाजपा के तेजी से लोकप्रिय हो रहे नेता एड. प्रशांत देशपांडे को अमरावती के उभरते युवा नेतृत्व के रूप में देखा जा रहा है. जहां न्याय क्षेत्र में उन्होंने अपना स्वयं का स्थान बनाया और आज भी वे जिस मामले में पैरवी करते हैं, उसका नतीजा पक्ष में ही जाता है, वहीं गरीबों को कानूनी मार्गदर्शन के साथ ही गरीबों के साथ अत्याधिक लगाव के चलते वे तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं. उनके जन्मदिन को लेकर जिस तरह से हजारों ने उन्हें सुबह से लेकर रात्रि तक शुभकामनाएं दी, फ्लैक्स,बैनर के साथ ही लोगों ने उन्हें दिल में बिठाया है, उसके चलते भावी नेतृत्व के रूप में उन्हें देखा जा रहा है.

तमाम सम्पन्नता के बाद भी आदर्श संस्कार और विनम्रता के कारण उन्हों ने लाखों मित्र परिवार तैयार किए हैं.

यही कारण है कि आज न केवल अमरावती शहर बल्कि विदर्भ स्तर के सफलतम वकील, सफलतम शिक्षा संस्था पदाधिकारी, सफलतम राजनेता के रूप में उनकी गणना की जाती है. संबंधों को अत्याधिक महत्व देने के कारण उन्हों ने लाखों मित्र परिवार तैयार किए हैं. आज अमरावती की हर राजनीतिक, धार्मिक, शैक्षिक, न्यायिक गतिविधि में उनकी सहभागिता के साथ ही उनकी सक्रियता निश्चित तौर पर उनके व्यक्तित्व को ऊंचा उठाने का काम करती है. स्वभाव की सादगी के साथ ही गरीबों , अन्याय पीड़ितों को लेकर उनके मन में अपार स्नेह होता है. एड. प्रशांत देशपांडे बहुगुणी व्यक्तित्व के धनी हैं. उनका निर्मल स्वभाव जहां लोगों को प्रभावित करता है, वहीं किसी की भी मदद के लिए तत्पर रहते हैं. स्वभाव की सादगी के साथ ही सभी को महत्व देने तथा सम्मान देने के कारण सभी लोग उन्हें चाहते हैं.

शहर के भावी नेतृत्व के रूप में उन्हें जहां देखा जा रहा है, वहीं दूसरी ओर राजनीतिक पारी में भी जिस तरह से तेजी से वे आगे बढ़ रहे हैं, वह निश्चित ही शहर के भावी नेतृत्व के रूप में देखे जा रहे हैं. उनके जन्मदिन पर लोगों का जो प्रेम दिखा, वह सभी के भाग्य में नहीं रहता है. साहब को जन्मदिन की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं, उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी हों, मां अंबा-एकवीरा देवी के चरणों में यही कामना.

डॉ.कंवलजीत पांडे,अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189 .अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com

सीपीडीए स्थापना दिवस पर 19 व 20 को चार रक्तदान शिविर

हम है, हम रहेंगे अभियान के तहत राज्यभर में किया जा रहा रक्तदान,सामाजिक पहल सराहनीय,एकता की जरूरत

विदर्भ स्वाभिमान,16 अप्रैल

अमरावती - वितरक व्यवसायियों के शीर्ष संगठन कंझ्मर प्रॉडक्टस डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन (सीपीडीए) द्वारा चलाए जा रहे हम है, हम रहेंगे अभियान के तहत सीपीडीए के स्थापना दिवस पर समूचे राज्य में रक्तदान शिविरों का आयोजन करने का निर्णय लिया गया था. जिसके चलते अमरावती जिले की चार तहसीलो में आगामी 19 व 20 अप्रैल को एआईसीपीडीए व कैट के संयुक्त तत्वावधान के तहत 4 रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है. जिसके तहत 19 अप्रैल को वरूड एवं चांदूर बाजार तथा 20 अप्रैल को अमरावती व मोर्शी में सीपीडीए की ओर से भव्य रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाएगा. एआईसीपीडीए के राष्ट्रीय अध्यक्ष धैर्यशील पाटिल, राज्य सचिव प्रफुल जैन, प्रदेश संगठन मंत्री श्याम शर्मा, जोन अध्यक्ष संजय अग्रवाल, जोन कोषाध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल, जिलाध्यक्ष प्रकाश बुद्धदेव की अगुवाई में आयोजित होने जा रहे इन रक्तदान शिविरों की सफलता हेतु संबंधित तहसीलों की सीपीडीए शाखा के पदाधिकारियों सहित सीपीडीए की जिला शाखा के पदाधिकारियों द्वारा अभी से तमाम तैयारियां की जा रही है.

। 19 को वरूड के नप कॉम्प्लेक्स में होगा शिविर-सीपीडीए की वर्षगांठ का औचित्य साधते हुए आगामी 19 अप्रैल को वरूड सीपीडीए की ओर से वरूड के महात्मा गांधी चौक स्थित नगर परिषद कॉम्प्लेक्स में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है. जहां पर रक्त संकलन हेतु अमरावती से डॉ. पंजाबराव देशमुख मेडीकल कॉलेज ब्लड बैंक की टीम पहुंचेगी. इस शिविर में रक्तदान करनेवाले रक्तदाताओं को ब्लड बैंक ओर से प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे. वरूड में आयोजित रक्तदान शिविर की सफलता हेतु वरूड सीपीडीए के अध्यक्ष जगदीश उपाध्याय, सचिव अनिल हेटे, कोषाध्यक्ष गोपाल पटेल, उपाध्यक्ष विशाल लेकुरवाले, सहसचिव नितिन काले, सलाहकार शिवनारायण उपाध्याय, प्रवीण कांडलकर, विनय चौधरी, कैलाश उपाध्याय, राजेंद्र गावंडे, भारत उपाध्याय, गिरीश लेकुरवाले, चेतन खासबागे, रोशन चौधरी, ओमप्रकाश उपाध्याय, अतुल राठी, महेश कांडलकर, शुभम काले, ललित गुल्हाने व कुणाल वानखडे द्वारा प्रयास किए जा रहे है.

। 19 को चांदुर बाजार में भी रक्तदान शिविर

इस अभियान के तहत 19 अप्रैल को चांदूर बाजार में वलगांव रोड पर आर. के. सुपर मार्केट के निकट रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है. जहां पर रक्त संकलन हेतु नागपुर स्थित लाईफ लाईन ब्लड बैंक की टीम पहुंचेगी. चांदूर बाजार में भी रक्तदान करनेवालो को ब्लड बैंक की ओर प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे. इस शिविर की सफलता हेतु चांदूर बाजार सीपीडीए के अध्यक्ष ऋषिकेश किटुकले, उपाध्यक्ष सुजीत फरकाडे, सचिव धीरज आगरकर तथा सदस्य कपिल कासट, प्रफुल किटुकले, विक्रम राका, इंद्रनील देशमुख, ऋषिकेश आष्टीकर, आनंद अग्रवाल, अमोल वाटाणे, अतुल राठी, सागर बिहरे, अजहरभाई, संजय वडालिया, अभिनव मेहरे, हरीश गाडगे, वैभव भट, शशांक बेलसरे, वैभव अग्रवाल, चेतन गणोरकर, नितिन लोणारकर, संदीप येलोरकर, अभिनव मेहरे, वृषभ छाजेड आदि प्रयासरत है.

90 करोड़ की चीज 50 लाख में कांग्रेस ने हासिल की

नई दिल्ली-भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने नेशनल हेराल्ड मामले में देशभर में ईडी दफ्तरों के बाहर कांग्रेस द्वारा विरोध प्रदर्शन की घोषणा पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया.भाजपा नेता ने कहा 'बीजेपी की ओर से, मैं शुरू में ही स्पष्ट करना चाहता हूं कि हालांकि कांग्रेस पार्टी को निश्चित रूप से शक्तियां और धरना देने का अधिकार है, लेकिन यह सरकार द्वारा नेशनल हेराल्ड को दी गई सार्वजनिक संपत्ति का दुरुपयोग करने तक सीमित नहीं है.उन्होंने कहा, 'कांग्रेस ने राजनीतिक पार्टी होने के बावजूद पार्टी फंड को एक निजी संस्था को दे दिया, जो प्रतिबंधित है. जब कंपनी ने लोन वापस करने से मना कर दिया, तो पूरी संपत्ति परिवार के नाम करने की कॉरपोरेट साजिश की गई. यंग इंडियन नाम की एक नई कंपनी बनाई गई, जिसमें 38-38 फीसदी हिस्सेदारी राहुल गांधी और सोनिया गांधी के पास थी.रविशंकर प्रसाद ने कहा, 'हम भाजपा की ओर से सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस से पूछना चाहते हैं कि क्या कानून को अपना काम नहीं करना चाहिए? हजारों करोड़ की संपत्ति पर आपने गैरकानूनी और गलत तरीके से कब्जा कर लिया है, तो क्या हमें इसपर चुप रहना चाहिए.उन्होंने आरोपी लगाते हुए कहा कि, 'परिवार ने 90 करोड़ की संपत्ति मात्र 50 लाख में खरीद ली. परिवार के एक अन्य सदस्य ने 3 करोड़ में जमीन खरीदी और उसका व्यवसायीकरण करके उसे 58 करोड़ में बेच दिया. यह है 'विकास का गांधी मॉडल'. एक बात जो याद रखनी चाहिए वह यह है कि सोनिया और राहुल गांधी जमानत पर बाहर हैं. उन्होंने जांच को खत्म करने का हर संभव प्रयास किया.अदालत ने केवल इतनी राहत दी कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से पेश होने की आवश्यकता नहीं थी. जांच चार साल से चल रही है और अभी तक कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया है.

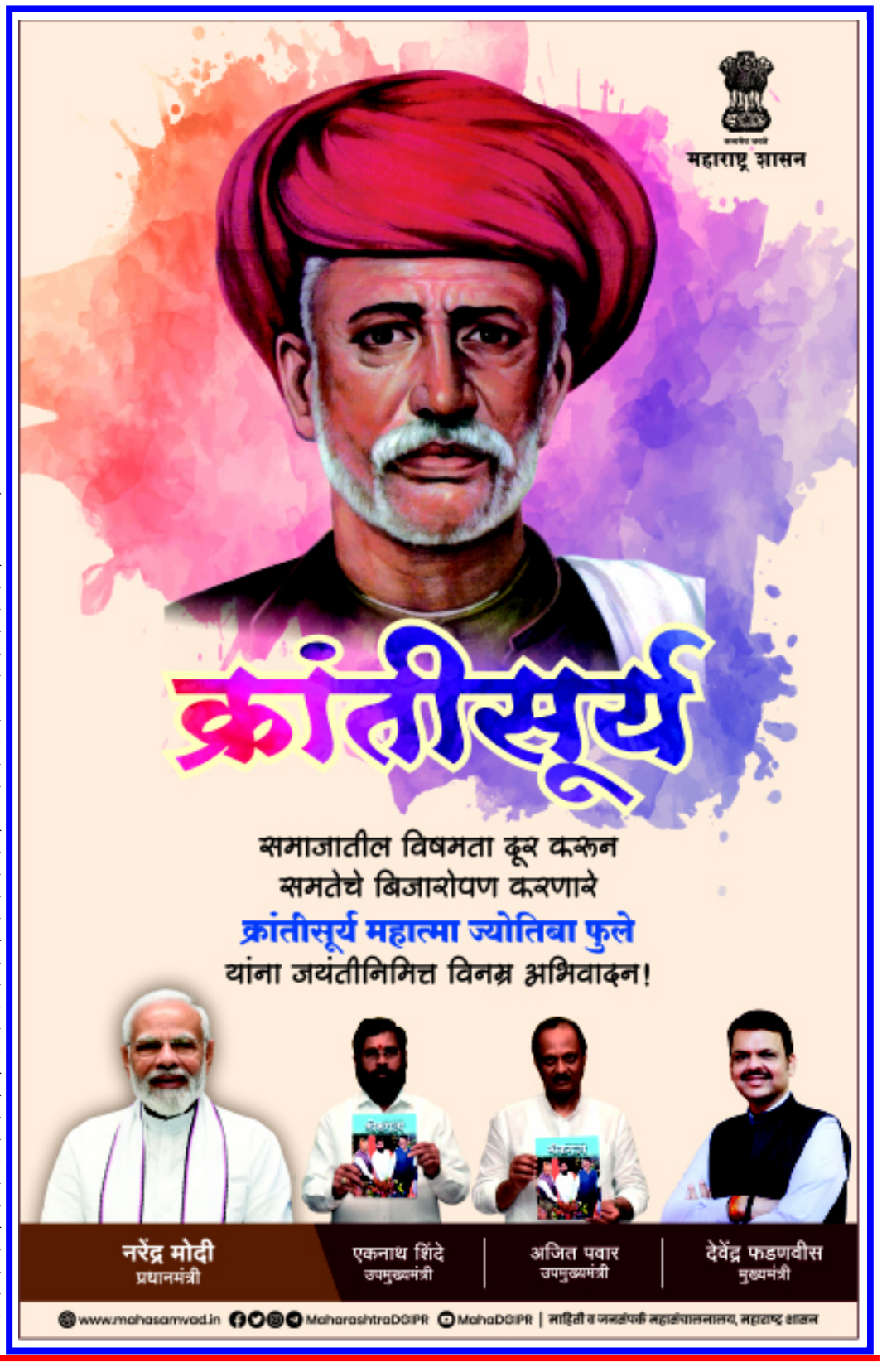

शंखणराजु का वृत्तांत,भक्त उमड़ते हैं

गतांक से जारी - सूत ने कहा मुझसे पूर्व वाल्मीकी ने एक ऐसा ही इतिहास बताया. उसके बारे में बताऊँगा. सुनिए चंद्र वंश में शंखण नामक एक राजा हुआ करते थे. कालदोष के कारण शत्रुओं से पराजित होकर वह अपने राज्य को खोकर रामेश्वर पहुँच गया. वहाँ रामसेतु के पास स्नान करके सुवर्णमुखी नदी के पास पहुँचा. फिर सुवर्णमुखी में स्नान करके उसके उत्तर में रहनेवाले पद्न सरोवर के पास पहुँच गया. पद्म सरोवर में स्नान करके उसके तट पर खड़े होकर इस रूप में सोचने लगा. मेरा कैसा भाग्य है.शत्रुओं के साथ युध्द करके हार गया. अपने राज्य को खो दिया. अब मेरा खान - पान कैसे चलेगा. इन कष्टों को मैं कैसे झेल पाऊँगा. भगवान ने मेरी ऐसी गति क्यों करवायी. आगे मेरा क्या होगा ऐसे सोचते वह बहुत चिंता कर रहा था. ऐसे अनेक प्रकार से दुख का अनुभव करते हुए नेत्रों को बंद करके वह परवश हो गया था.तब अशरीर वाणी ने ऐसा कहा. हे निर्मलात्मा मन में तुम थोड़ा धैर्य बनाओ. चिंता को दूर करो यहाँ से उत्तर में एक कोस की दूरी पर वेंकटगिरि नामक पर्वत है. वहाँ तुम शीघ्र ही जाओ. वह पर्वत आर्तजन और पीडितों को कामधेनु समान है. शोकार्थियों को कल्पवृक्ष समान है. वह चिंतामणी नाम से अति प्रसिध्द पर्वत है. वहाँ अकारण ही पीड़ाओं एवं बाधाओं के शिकार हुए लोगो के कष्टों को दूर करनेवाले श्री वेंकटेश्वर बसे हुए हैं. उनके मंदिर के पास स्वामी पुष्करिणी है . वह अत्यंत महिमावान पुष्करिणी है . वह इष्ट काम्यार्थों को पूरा करनेवाली है. वह सदा जल से भरा रहता है.उसके पश्चिम तट पर वल्मीकों से भरा पहाड़ है. वहाँ पर खड़े होकर त्रिसंध्या कालों में पुष्करिणी में स्नान करके जितें द्र और निष्ठा के साथ शंख चक्र गदाधारी श्री वें कटे श्वर के षोढोपचार-पूजाएँ करते रहो . तब वे स्वामी तुम पर प्रसन्न होकर तुन्हें फिर राज्याभिषिक्त करेंगे. अशरीरी वाणी की इन बातों का सुनकर शंकण प्रसन्न होकर वेंकटगिरि पर्वत पर चढ़ गया. वहाँ पर स्थित चंदन पुन्नाग और भी अनेक फल-फूल वृक्षों से सुशोभित, चमरी , कस्तूरी ,मृगादि से शोभित , शुक कलकंठ, मयूर राजहंस आदि पक्षियों की कलरव ध्वनियों

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

किश्त-13, विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

भरे नयनंदकारी दर्शन देनेवाले वेंकटाद्रि पर्वत के दर्शन किए . उसके बीच में अनेक दिव्य परिमल सुगंधों से भरे शोणक नीलोत्पलों से भरे मत्स-कच्चप आदि जलचरों से भरी स्वामी पुष्करिणी के दर्शन किए . शंकण ने उस पुष्करिणी में तत्संकल्प के साथ त्रिकाल स्नान किया. साथ ही श्री वें कटेश्वर स्वामी का ध्यान करते विशेष पूजाएँ की.

श्री हरि का शंखण महाराज से प्रसन्न होना- अनेक प्रकार के हार, कुंडल, किरीट आदि भूषणों से सुशोभित कांतिमय प्रकाश से परिवेष्ठित, तुलसी मालाओं की सुगंध से तथा पुष्पमालिओं की सौरभ से सुशोभित , राजित सूक्ष्म उदरवाले , तिलकधारी, कमनीय कुटिल ललाटवाल, श्रीवत्स - कौत्सुभ चिह्नों को धारण करनेवाले, करुणा से भरे नेत्रोंवाले , शंख ,चक्र ,गदाधारी, हृदय पर लक्ष्मी को धारण करके प्रकाशवान, नील और भूदेवी का अपने दोनों ओर धारण करनेवाले , दीन जनों के उध्दारक श्री वें कटेश्वर स्वामी ने तब अनेक सहस्त्र-कटि सूर्यप्रकाश सदृश दिव्य विमान मध्य में स्वामी पुष्करिणी के बीच में खड़े होकर शंखण राजा को दर्शन दिए. तब ब्रह्म, रूद्र देवताओं ने दुंदुभी बजायी. मृदंग और मंगलवाघों के साथ जय-जयकार किया. साथ ही पुष्प वृष्टि करवायी. साथ ही नृत्य गीतों के साथ निगमांत सूक्तों को भी सुनाया. तब शंखण महाराज ने स्वामी को साष्टांग दंड-प्रणाम करके इस रूप में विनति की. हे देवाधिदेव महात्मा हे दीन रक्षक हे जगन्नायक मुझ पर दया करो मेरी ओर करूणा से देखो पूर्व आपके व्दारा मेरे पूर्वजों को दी गयी पृथ्वी को मैंने शत्रुओं में खो दिया. अब मैं दीन हीन हूँ .ऐसे मुझे आपने दर्शन दिए हे परम पुरुष कृपया मेरे शत्रुओं का निर्जन करके फिर से मुझे अपना राज्य दिलाओ.ऐसी विनति करनेवाले शंखण से चक्र ने ऐसा कहा. हे राजा तुम अपनी चिंता छोड़ो . अपने देश लौटकर सपन्ती राज्याभिषिक्त होकर खुश रहो. कहते हुए शंखण को आशीर्वाद समेत आज्ञा दी.तदुपरांत हरि अत्यभ्दुत ढंग से अदृश्य हो गए.

तब ब्रहादि देवतागण हरि की प्रशंसा करके स्वामी की पुष्करिणी में स्नान करने के कारण ही स्वामी ने प्रसन्न होकर शंकण को फिर से स्वामित्व प्रदान किया. कहते वे सब अपने-अपने स्थानों पर लौट गए.

तब शंखण महाराज स्वामी पुष्करिणी और पर्वत को प्रणाम करके हरि को भी नमस्कार करके अपनी पन्ती के साथ अत्यंत आनंद से वें कटाद्रि पर्वत से उतरकर अपने राज्य लौटे . इधर शंखण के शत्रुओं की सोच में परिवर्तन आया. शंखण के साथ अपने विरोध को भी उन्हों ने छोड़ देने का निर्णय किया . फिर से शंखण को राज्य लौटाने का निर्णय किया. यह सुनकर उसके देश के जन शंखण महाराज की खोज करते गोदावरी नदी के तट पर पहुँचे .तभी शंखण ने उस मार्ग में जाते अपने देशवासियों को पहचान लिया . अपने शत्रु के बारे में समाचार लेकर वह अपने देश कांभोज देश लौट गया.

शेष अगले अंक में

ग्राम पंचायत कार्यालय,राजुरा

पं.स.चांदूर रेल्वे,जि. अमरावती

जाहिर निविदा सूचना क्र.1/2024

ग्राम पंचायत राजुरा ता.चांदूर रेल्वे,जि.अमरावती सन 2024-2025 मध्ये विविध योजना अंतर्गत खालील कामाचे बी-1 व ई-निविदा अंतर्गत जि.परिषद बांधकाम विभाग अमरावती यांचे वर्गातील,नोंदणीकृत कंत्राटदारांकडून मागविण्यात येत आहे.

निविदाकरीता खालील प्रमाणे कामाची यादी

अनु क्रमांक	क़ामाचे नाव	योजनेचे नाव	अंदाजित किमत	क़ामाची मुदत	पंजीबद्ध कंत्राटदारांचे वर्गीकरण	क़ेलेल्या निविदेची किमत
1.	आरसीसी नाली बांधकाम करणे	15वां वित्त आयोग	1.50 लक्ष	6 महीने	वर्ग 6 व त्यावरील	200/-
2.	ग्राम पंचायत साहित्य खरेदी करणे	15वां वित्त आयोग	0.50 लक्ष	6 महीने	वर्ग 6 व त्यावरील	200/-
3.	अंगणवाड़ीला साहित्य खरेदी करणे.	15वां वित्त आयोग	0.50 लक्ष	6 महीने	वर्ग 6 व त्यावरील	200/-
4.	जि.प.शाळेला फिल्टर बसविणे.	15वां वित्त आयोग	1.50 लक्ष	6 महीने	वर्ग 6 व त्यावरील	200/-
5.	जि.प.शाळेला तार कम्पाऊंड करणे.	15वां वित्त आयोग	3.00 लक्ष	6 महीने	वर्ग 6 व त्यावरील	200/-
6.	आर.सी.सी. रोड बांधकाम करणे.	15वां वित्त आयोग	2.50 लक्ष	6 महीने	वर्ग 6 व त्यावरील	200/-
7.	सी.सी. नाली बांधकाम करणे.	15वां वित्त आयोग	2.00 लक्ष	6 महीने	वर्ग 6 व त्यावरील	200/-
8.	बंदिस्त नाली बांधकाम करणे.	15वां वित्त आयोग	0.50 लक्ष	6 महीने	वर्ग 6 व त्यावरील	200/-
9.	जि.प.शाळा दुरूस्ती करणे.	जिल्हानिधि	3.50 लक्ष	6 महीने	वर्ग 6 व त्यावरील	200/-
10.	ग्रा.प.च्या खुल्या जागेवर अन्नाभाऊ साठे सभागृह बांधकाम करणे.	डॉ.बाबासाहब आंबेडकर योजना	11.00 लक्ष	6 महीने	वर्ग 6 व त्यावरील	200/-
11.	पाइप लाइन टाकणे	15वां वित्त आयोग	3.00 लक्ष	6 महीने	वर्ग 6 व त्यावरील	200/-

प्रमुख अटी

1) निविदा प्रसिद्धी तारीख व वेळ दि. 17-04-2025 वेळ 11.00 वाजतात2) वरील कामाच्या निविदा मिळण्यासाठी अर्ज करण्याची व स्वीकारण्याची तारीख दिनांक 18-04-2025 ते 24-04-2025. 3) निविदा उघडण्याची तारीख येणाऱ्या मासिक सभेत.,4) बयाना रक्कम 1 टक्के डी.डी. स्वरूपात राहील.

अट- 1) निविदेच्या अटी व शर्ती ग्राम पंचायत राजुरा,ता. चांदूर रेल्वे.जि.अमरावती यांच्या कार्यालयीन वेळेस पहावयास मिळतील.
2) निविदा या दोन लिफाफे पद्धतीने करावयाचा आहे. 3) निविदा स्वीकारण्याचे तसेच काही कारणास्तव रद्द करण्याचे अधिकार, ग्राम पंचायतीने राखून ठेवले आहे.

सरपंच/सचिव
ग्राम पंचायत, राजुरा
ता. चांदूर रेलवे, जि. अमरावती.

खेल से नेतृत्वगुण,जिद बनकर सफलता मिलती है

अमरावती का दिव्यांग तैराक बना मुख्य क्रीडा कार्यकारी अधिकारी, चेतन राऊत चमका अंतर्राष्ट्रीय तैराकी में, मेहनत ही दिलाती है

अमरावती- ज़ीवन में सपने सभी देखते हैं लेकिन जो लोग सपनों को पूरा करने के लिए पूरी जान लगा देते हैं, उनके जीवन में सफलता उनसे दूर नहीं रह सकती है. इस आशय का मत मुख्य क्रीडा कार्यकारी अधिकारी चेतन गिरीधर राऊत ने व्यक्त किया. विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय को भें ट देकर उन्होंने अपने जीवन तथा संघर्षों की जानकारी दी. साथ ही स्पष्ट किया कि मेहनत, लगन, संघर्ष जब मिलते हैं तो सफलता निश्चित होती है.

बचपन से ही दिव्यांग रहने के बाद भी कभी भी हार नहीं मानने वाली मानसिकता और पिता का प्रेरणादायी मार्गदर्शन उन्हें सदैव मिला. बचपन से ही खेल को लेकर अपार उत्साह तथा इस क्षेत्र में कुछ करने का जज्बा रहने के कारण तैराकी में हाथ आजमाने का फैसला किया और इस क्षेत्र में अपनी लगन तथा मेहनत के कारण लगातार आगे बढ़ते गए.

तरणताल से 2006 से तैराकी स्पर्धा में सहभाग से हुई शुरुवात ने अंतर्राष्ट्रीय तैराकी स्पर्धा तक न केवल पहुंचाया बल्कि अभी तक तैराकी के क्षेत्र में चेतन ने चार अंतर्राष्ट्रीय पदक जीतकर अमरावती का नाम रोशन किया. वे बताते हैं कि तैराकी में अभी तक राष्ट्रीय स्तर पर 60 से अधिक पदक जीतकर उन्होंने दिव्यांगों ही नहीं बल्कि हर उस खिलाड़ी के लिए प्रेरणा देने का काम किया है जो मामूली हार से हिम्मत हार जाता है. जीवन में माता-पिता तथा गुरू को अपने जीवन का प्रेरणास्त्रोत मानते हैं. हव्याप्रमं के प्रमुख पद्मश्री प्रभाकरराव वैद्य को जीवन में प्रेरणा मानने के साथ उनके आगे बढ़ो,सबसे आगे बढ़ो को जीवन का मंत्र मानकर इस दिशा में चेतन ने प्रयासों की पराकाष्ठा की और इस मुकाम तक पहुंचने में सफलता प्राप्त की. घर में आमतौर पर खेल वाला माहौल नहीं रहने के बाद भी चेतन ने अपनी लगन, मेहनत और जिद से खेल के क्षेत्र में आज यह आसमानी बुलंदी हासिल की है.खेल के साथ ही स्पर्धा परीक्षा के माध्यम से सदैव आगे बढ़ने की सोच रखनेवाले चेतन बताते हैं कि जिस तरह लहरों से डरकर नैया पार नहीं होती, उसी तरह कोशिश करने वालों की हार नहीं होने का अनुभव उन्हें जीवन में प्रयासों के दौरान आया. भारतीय महाविद्यालय से बीए तक शिक्षा प्राप्त करने वाले चेतन ने विद्यापीठ स्तरीय तैराकी स्पर्धा में भी शानदार प्रदर्शन कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया था.

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इंग्लिश चैनल और कैटलीना चैनल तैराकी के माध्यम से पार करने वाले अमरावती जिले के पहले दिव्यांग तैराक हैं.खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवा के चलते प्रतिष्ठि शिव छत्रपति खेल पुरस्कार के साथ ही विभिन्न समाजसेवी

संस्थाओं द्वारा भी पुरस्कार देकर उनका सत्कार किया जा चुका है. जीवन में खेल का महत्व बताते हुए चेतन की सलाह है कि स्कूली जीवन में पढ़ाई के इतना ही खेल को भी महत्व बच्चों को देना चाहिए. इससे जहां बच्चे स्वस्थ रहेंगे, वहीं जीवन में हर लक्ष्य को हासिल करने में भी खेल कारगर साबित होता है. बचपन से ही संस्कारों को महत्व देने वाले चेतन का कहना है कि आज के दौर में एकता और संयुक्त परिवार सबसे अधिक जरूरी होता है. जब हम एकता के सूत्र में रहते हैं तो हमें कोई आंख नहीं दिखा सकता है, साथ ही एकता में रहने पर बड़ी से बड़ी कठिनाई भी आसानी से पार हो जाती है. सदैव खिलाड़ी भावना रखने और जीवन में लक्ष्य हासिल करने के लिए जी-जान और समर्पित भावना से प्रयास करने की सलाह वे नए खिलाड़ियों को देते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान के साथ बातचीत करते हुए चेतन ने बताया कि मन के जीते जीत होती है. वह दिव्यांग रहने के बाद भी बचपन से ही कुछ अलग कर गुजरने की मानसिकता रखता था. उसके पिता गिरीधर राऊत ने सदैव बेटे को खेल के साथ ही पढ़ाई में भी प्रोत्साहित किया. बचपन से ही मेधावी चेतन राऊत के मुताबिक पढ़ाई में टॉप के साथ ही तैराकी में अभी तक राष्ट्रीय 60 पदक और अंतर्राष्ट्रीय 6 से अधिक पदक जीतते हुए अमरावती का नाम रोशन करने का सौभाग्य मिला है. पुणे में फिलहाल मुख्य क्रीडा कार्यकारी अधिकारी के रूप में नए तैराकों को प्रशिक्षण देने के साथ ही अभी भी विभिन्न स्पर्धाओं में भाग लेने तथा अमरावती का नाम रोशन करने की मानसिकता रहती है. वह बताते हैं कि जीवन में जब हम कोई लक्ष्य तय करते हुए इस दिशा में आगे बढ़ते हैं और जीत की जिद रखते हैं तो निश्चित तौर पर उसमें सफलता मिलना तय रहता है. शरीर भले ही दिव्यांग हो लेकिन मन में कभी भी कमजोरी की भावना नहीं आनी चाहिए, ऐसे में जीत तय होती है.

ब्लॉक किराए से देना है

अकोली रोड स्थित छाया कॉलोनी में सभी सुविधायुक्त हॉल तथा किचन युक्त ब्लॉक किराए से देना है. इच्छुक निम्न मोबाइल पर संपर्क करें. छात्राओं को प्राथमिकता.

मोबाइल नंबर
9423426199,
8855019189

महाकालीमाता मंदिर में भव्य कुमकुम अर्पण समारोह

विदर्भ स्वाभिमान, 16 अप्रैल

अमरावती - सामाजिक एवं धार्मिक कार्यो में सदैव अग्रसर रहनेवाले सुश आसरा फाउंडेशन व शिव आश्रय वेलफेयर फाउंडेशन द्बारा चैत्र नवरात्र पर्व के निमित्त गरूवार 10 अप्रैल को दोपहर 3 से शाम 5 बजे तक हिन्दू मोक्षधाम के पीछे स्थित कालीमाता मंदिर में भव्य देवी कुमकुम अर्पण समारोह का आयोजन किया गया. इस आयोजन के तहत श्री काली माता मंदिर शक्तिपीठ के पीठाधिश्वर शक्ति महाराज की प्रमुख उपस्थिति में माता की प्रतिमा का पूजन करते हुए आरती व भक्ति गीत गायन का आयोजन हुआ. जिसके उपरांत साबूदाना खिचडी प्रसाद का वितरण किया गया. साथ ही सभी उपस्थित महिलाओं द्बारा देवी का कुमकुमार्चन करते हुए देवी को कुमकुम अर्पित किया गया.

इस अवसर पर सुश आसरा फाउंडेशन व शिव आश्रय वेलफेयर फाउंडेशन की अध्यक्षा निशि चौबे सहित आयोजक मंडल में शामिल प्रीति दुबे, सारिका तिवारी, सुषमा मिश्रा, सारिका मिश्रा, कंचन त्रिपाठी, छाया मिश्रा, लीना वासनिक, प्रीति साहू, राधिका ढेगेकर, प्रीति मिश्रा व कल्याणी मदलीयार, श्वेता मिश्रा, आस्था मिश्रा, अमित दुबे, राशी साहू, शीतल साहू, श्रद्धा साहू, एकता साहू, गुड्डू साहू, रिता साहू, सपना तिवारी, सुनीता गुप्ता, नीलम वर्मा, सुनीता वर्मा, कविता साहू, दिपांशू गुप्ता, ममता यादव, सुनीता यादव, स्पाली यादव, सरिता साहू, पुष्पा साहू, सपना भवानी, जया गुरडे, नीता वेलेकर, प्रीति शिरसाट, जया रायपुरे, भारती देवरी, संगीता काले, शीतल भारती, तृप्ति वाट, रिना मालवी, शीतल पटेरिया, सोनू मिश्रा, सुधा दुबे, सुधा मिश्रा, वसुधा तिवारी, मनीषा मिश्रा, अरुणा मिश्रा, संगीता दुबे, स्नेहल सुने, माधरी धर्माले, शुभांगी कावले, चैताली चर्जन, रोली कांबे, वर्षा इंगोले, शीतल चौधरी, शामली देशमुख, राधिका ठेकेकर, शिल्पा सावरकर, प्रियंका अंभोरे, शालिनी शर्मा, जयश्री चांडक, सोनी गुप्ता, संगीता मडावी, रिंकू डोंगरे, लिना डफले, मिना शेंडे, योगिता गौर, अनुष्का जयस्वाल, हेमा राउत, भाग्यश्री चौहान, प्रीति साहू, सौम्या दास, सरोज गुप्ता, वृशाली काले, मनीषा राउत, लिना मनोहरे, पूनम अलकरी, सुनीता गुप्ता, ईशा गुप्ता, पूजा कनोजे, सुलेखा राठोड, मिना मासी, पुष्पा दीदी, देविका ताई व हावरे ताई के साथ ही कई धर्मशील व श्रध्दालु महिलाओं ने उपस्थित रहकर इस भव्य कुमकुम अर्पण समारोह में बडी श्रद्धा के साथ हिस्सा लिया और देवी मां को कुमकुम अर्पित किया. उल्लेखनीय है कि समाजसेविका और भोलेनाथ भक्त निशि चौबे के कुशल नेतृत्व में संस्था द्वारा विभिन्न धार्मिक,समाजसेवी और अध्यात्मिक उपक्रम साल भर लिया जाता है, इसकी सराहना की जा रही है.

मौत भी जिनके सामने हार गई

सौ.योगिता मि.शिरभाते को विनम्र आदरांजलि, दर्द सहकर भी किसी को नहीं होने देती थी एहसास

जीवन में जिसने जन्म लिया है एक न एक दिन इस जीवन को यही छोड़कर उसे जाना ही है. लेकिन कुछ ही लोग ऐसे होते हैं जिनका जन्म और दुनिया से विदाई सभी के लिए तकलीफ दे रहती है. महालक्ष्मी नगर निवासी विज्ञान की आदर्श शिक्षिका सौ.योगिता मिलिंद शिरभाते जहां गरीब छात्रों की मदद के लिए सदैव तत्पर रहती थी, वहीं दूसरी ओर परिवार की सबसे छोटी लाडली बहू के रूप में अपने स्वभाव से पूरे परिवार पर कुछ इस तरह का जादू किया था कि उनका थोड़ा भी दर्द कोई बर्दाश्त नहीं कर पता था. स्वास्थ्य संबंधी समस्या शादी के बाद से ही पता चलने के बाद यद्यपि परिवार के सदस्यों द्वारा हर मुमकिन इलाज करने का प्रयास किया गया लेकिन कहते हैं कि जहां इंसानी प्रयास खत्म होते हैं, वहीं से नियति अपना काम दिखाना शुरू करती है. परिवार के सदस्यों को आज भी भरोसा नहीं है कि जेठानी के लिए देवरानी के बजाय छोटी बहन योगिता अब उनके बीच नहीं है. आदर्श संस्कारों से युक्त और उच्च शिक्षित शिरभाते परिवार अमरावती में आदर्श परिवार के रूप में गिना जाता है. प्राचार्य संजय शिरभाते तथा छोटे भाई मिलिंद शिरभाते मैं जहां अपार प्रेम है वहीं दूसरी ओर संयुक्त परिवार रहने के कारण बीमारी के दौरान न केवल परिवार बल्कि हर रिश्तेदार

भावपूर्ण आदरांजली

बहु योगिता के लिए हर वह उपाय कर रहे थे, जिससे उसकी जिंदगी को कुछ पल और मिल सके. डा. कविमंडन के अस्पताल के बाद रिम्स और यहां से नागपुर के डॉक्टर जय देशमुख के अस्पताल तक सभी को जीवन की प्रेरणा देने वाली योगिता ने मौत को भी हराने का पूरा प्रयास किया. परिवार भी कहीं भी कम नहीं पड़ रहा था. पति मिलिंद के लिए जहां वह भाग्यलक्ष्मी से कम नहीं थी, वहीं दूसरी ओर जेठ और जेठानी के लिए उसका महत्व सदैव अलग हुआ करता था. जेठानी के साथ उसके संबंध बड़ी बहन जैसे थे और घर के बाहर भी अगर निकालना होता था तो जेठानी और देवरानी साथ में ही जाती थी, यह बताते हुए उनकी आंखें आज भी नम हो जाती हैं. परिवार के सदस्य उनके दर्द को एहसास तो करते थे लेकिन अपना दर्द छुपाते हुए हमेशा यह बताने की कोशिश रहती थी कि जैसे उन्हें कोई तकलीफ ही ना हो. अस्पताल में कभी आईसीयू तो कभी वेंटीलेटर पर लगने के बाद थोड़ा भी आराम होने के बाद वह इस तरह व्यवहार करती थी जैसे उन्हें कुछ हुआ ही नहीं हो. दर्द सहकर भी मुस्कुराहट बांटना यद्यपि आसान नहीं होता है लेकिन विज्ञान की इस आदर्श शिक्षिका ने अपने स्वभाव और अपने व्यवहार से न केवल परिवार बल्कि स्कूल में भी जादू किया था. उनके देहांत की खबर ने सभी के आंखों में अगर आंसू ला दिया तो निश्चित तौर पर वह किस तरह सभी को सम्मान देती थी और यथासंभव मदद का भाव रखते थे इससे बड़ी दूसरी बात नहीं हो सकती. आज वह भले ही इस दुनिया में नहीं है लेकिन इतने कम समय में उन्होंने जिस तरह से जिया, हजारों छात्रों के जीवन को संवारा, आदर्श मां, आदर्श पत्नी के साथ ही जिस तरह से सभी रिश्तों में आत्मीयता का परिचय दिया वह शायद ही कोई कभी भूल सके. शिरभाते परिवार को यह गहरा सदमा सहन करने की शक्ति दे और सौ. योगिता मिलिंद शिरभाते की दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करें, प्रभु चरणों में यही कामना.

विदर्भ स्वाभिमान

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती
मो. 9423426199/ 8855019189

विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

महाराष्ट्र के साथ ही उत्तर प्रदेश में तेजी से लोकप्रिय हो रहे राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान के लिए विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है. मेहनती ही संपर्क करें.

- संपर्क -
विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय
छाया कॉलोनी,अकोली रोड, अमरावती.
मो. 9423426199, 8855019189

विदर्भ स्वाभिमान

वार्ड संवाददाता चाहिए

अमरावती महानगर पालिका क्षेत्र में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है. वार्ड की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का फैसला विदर्भ स्वाभिमान ने लिया है. ऐसे में वार्ड स्तर पर संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. समस्या की समझ के साथ ही समाजसेवा में रूचि रखने वाले युवा संपर्क कर सकते हैं. अपने क्षेत्र की समस्याएं आप भी जागरूक नागरिक के रूप में देकर प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं. अपने क्षेत्र में मार्केटिंग के साथ ही विज्ञापन व्यवसाय के माध्यम से कमीशन के आधार पर कमाई भी कर सकते हैं.

संपर्क
छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती
मो. 9423426199/8855019189

मै ज़िंदगी का साथ
निभाता चला गया
हर फ़िक्र को धुएं में
उड़ाता चला गया
ग़म और ख़ुशी में फ़र्क़ न
महसूस हो जहां
मैं दिल को उस मक़ाम पे
लाता चला गया
जो मिल गया उसी को
मुक़द्दर समझ लिया
जो खो गया मैं उस को
भुलाता चला गया
बर्बादियों का सोग मनाना
फ़ुज़ूल था
बर्बादियों का जश्न
मनाता चला गया

गुरूवार 17 से 23 अप्रैल 2025

मेष-ज़ीवन में सभी की भावनाएं समझते हुए काम करने का प्रयास करें. आपका कोई काम नहीं रूकेगा. सुख-सुविधा पर खर्च होने की संभावना है. किसी के पास फंसा हुआ धन मिलने की संभावना है.

वृषभ-यह सप्तह आपके लिए काफी लाभदायी साबित होने वाला है. समझदारी और संयम का लाभ मिल सकता है. इनकी खासियत यह है कि ये बहुत जोशीले और जिद्दी स्वभाव वाले तथा अपमान बर्दाश्त नहीं करने वाले होते हैं.

मिथुन-छात्रों को थोड़ी भी मेहनत सफलता दिलाने में सफल हो सकती है. पढ़ाई पर विशेष रूप से ध्यान दें. वाहन चलाने में गड़बड़ी भारी पड़ सकती है.

कर्क-यह सप्ताह आपके लिए नई उम्मीदों वाला हो सकता है. ऐसे में समझदारी से हर काम को निपटाने का प्रयास करें. दिखावा भारी पड़ सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह-सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या-विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा.

तुला-घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

वृश्चिक-दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है.प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु-गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर-घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें. ठंड बढ़ने से स्वास्थ्य संबंधी समस्या पैदा हो सकती है. संबंधों पर ध्यान दें.

कुंभ-सप्ताह में मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है. इसके साथ ही अपने काम पर समर्पण के साथ ध्यान देना होगा. स्वास्थ्य पर ध्यान देना आपके लिए हितकर होगा. नाहक के विवाद से बचें .

मीन-भगवान भोलेनाथ की कृपा बनी रहेगी. वाहन धीरे से चलाएं और नाहक के वाद-विवाद से बचना श्रेयस्कर होगा.स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे.

सुंदर घर बेचना है

अकोली रोड के पुरूषोत्तम नगर में बेहतरीन लोकेशन स्थित स्वतंत्र, सामने हनुमान, शिव मंदिर तथा मनपा बगीचा के सामने स्थित घर बेचना है. निर्माण 550 फुट. नीचे दो रूम, किचन तथा सामने जगह. ऊपर एक रूम और स्वतंत्र टायलेट व शौचालय. बेहतरीन लोकेशन.लेने के इच्छुक ही सीधे संपर्क करें. कुल प्लॉट 750 स्केअर फुट, साईज 40 बाय 25

9423426199
8855019189

पार्वती नगर में शिव महापुराण कथा 29 अप्रैल से

मनोज चोरे की अध्यक्षता में शिव महापुराण समिति का गठन,सुधीर हजारे, सुभाष दुबे शामिल

विदर्भ स्वाभिमान,16 अप्रैल

अमरावती-आकोली रोड पार्वती नगर में आगामी 29 अप्रैल से शिव महापुराण कथा का आयोजन किया गया है. कथा को अभूतपूर्व बनाने के लिए जहां क्षेत्रवासी प्रयासरत है वहीं श्री केसरी नंदन बहुउद्देशीय संस्था के अध्यक्ष मनोज चोरे की अध्यक्षतामें हुई बैठक में शिव महापुराण समिति का गठन किया गया. इसमें संबंधितों को जिम्मेदारी सौंप गई. स्थानीय पार्वती नगर क्षेत्र स्थित श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर प्रागंण में आगामी 29 अप्रैल से श्री केशरीनंदन बहुउद्देशीय संस्था द्वारा श्री केशरीनंदन शिव महापुराण कथा का आयोजन किया गया है. इसमें शिवमबापू महाराज भक्तों को शिव महापुराण कथा का रसपान करायेंगे. इस कथा को अभूत पूर्व बनाने के लिए पार्वती नगर, छाया कॉलानी, वल्लभ नगर सहित आसपास के दर्जनों नगर के नागरीक प्रयास कर रहे है. इस बारे में एक बैठक पार्वती नगर उद्यान में हुयी जिसमे विभिन्न समितियों का गठन किया गया.

कथा 29 अप्रैल से आरंभ होने के पूर्व

सुबह 7 बजे कलश स्थापना एवं शिवलिंग का स्त्राभिषेक नरेश इसासरे, मारोतराव लोखंडे के हाथों लिया जाएगा. दोपहर 4 बजे महिलाओं की कलश यात्रा तथा शाम 7 बजे से शिवमहापुराण कथा की शुरूवात होगी. 30 अप्रैल को शिवलिंग का स्त्राभिषेक सुधीर हजारे, प्रशांत वरहाडे, करेंगे. दोपहर 4 बजे श्री गुरु माऊली महिला भजन मंडल का भजन कार्यक्रम होगा. सोमवार 5 मई तक शिवलिंग स्त्राभिषेक विभिन्न मान्योंद्वारा किया जाएगा. धार्मिक के साथ ही कई सामाजिक उपक्रम भी कथा के दौरान आयोजित किए गए है. इसमे गुरुवार 1 मई को सुबह 10 से 3 बजे तक नि:शुल्क महास्वास्थ शिविर रखा गया है. इसमे शालिनीताई मेघे हॉस्पीटल अन्ड रिसर्च सेंटर नागपुर के विशेषज्ञों की टीम गरीबों व जरूरतमद की जांच करेगी. कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए शिवमहापुराण समिति का गठन किया गया है. जिसमें नरेशी इसासरे, पंकज रामेकर, सचिन आपा लांडगे, प्रविण ओलोकार, सुभाष बानवाकोडे, निलेश चौधरी, आकाश यादव, सुधीर हजारे, गणेश उके, मारोतराव लोखंडे, विकास वाली, रोशन काले, संदीप ठाकरे के साथ ही महिलाओं की समिति भी बनायी गयी है. कथा की सफलतार्थ मनोज चोरे, डॉ. शोभा गायकवाड, अर्चना रोडे, सुधीर कापसे, सिध्देश सरोदे, जगदीश गुल्हाने, गौरव ठाकरे, नरेश ईसासरे, गजानन गुजर, किशोर सावरकर, अंकिता चोरे सहित क्षेत्रवासी प्रयास कर रहे है.

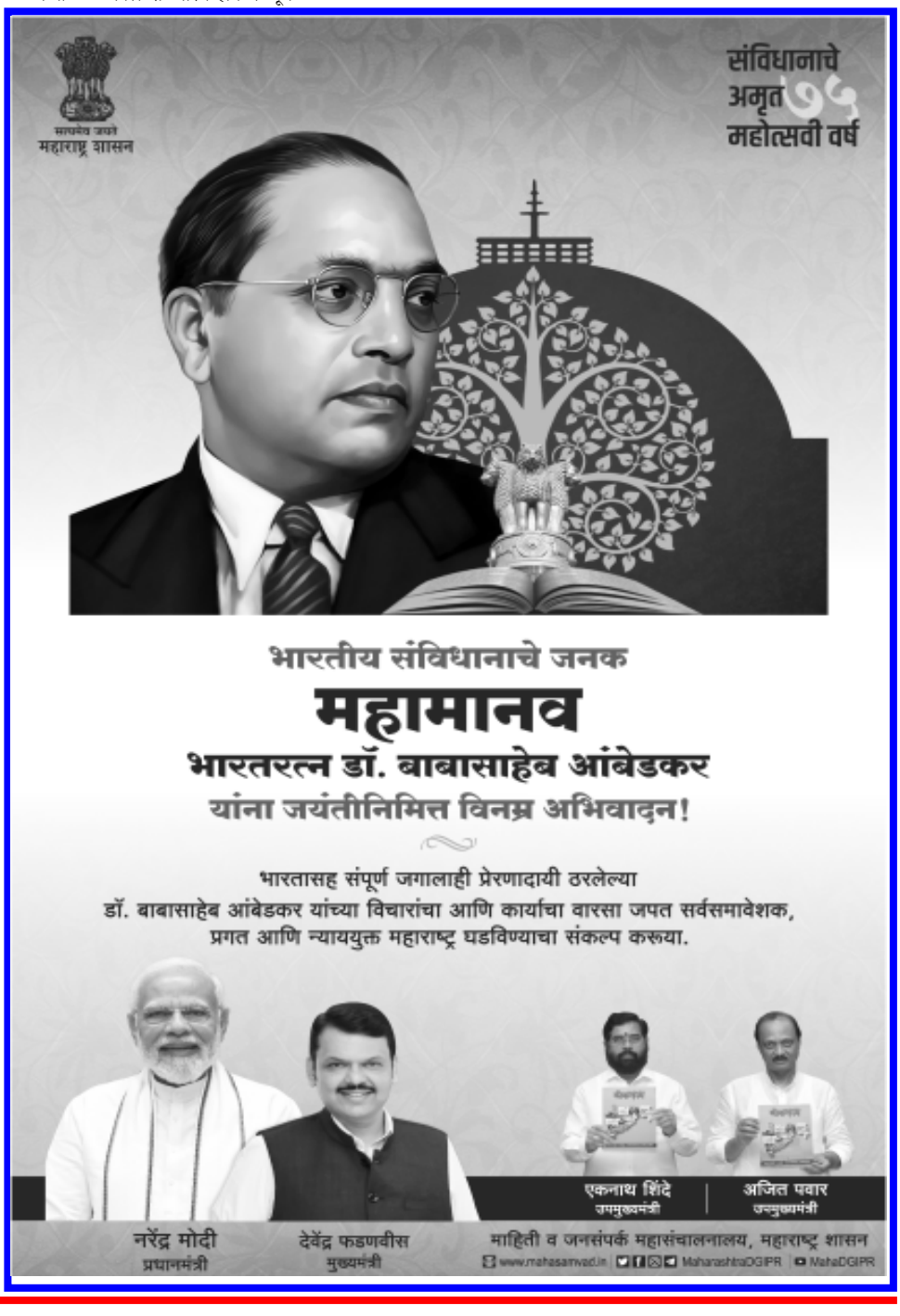

हवाई अड्डा अमरावती का विकास तेजी से बढ़ाएगा

पेज 1 से जारी- विदर्भ में विकास कार्यों को पूरा करने और इस क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा में लाने को प्राथमिकता दी जाएगी.अमरावती हवाई अड्डे का उद्घाटन, यात्री उड़ान सेवाओं का शुभारंभ और एयर इंडिया पायलट प्रशिक्षण केंद्र का उड़ान प्रदर्शन बुधवार को हुआ. केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरपु राम मोहन नायडू, केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल, उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, अजीत पवार, संरक्षक मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन, श्रम मंत्री आकाश फुंडकर, अनुसूचित जाति और जनजाति आयोग के अध्यक्ष आनंदराव अडसुल, सांसद डॉ. अनिल बोंडे, बलवंत वानखड़े, अमर काले, विधायक संजय खोडके, डॉ. संजय कुटे, रवि राणा, सुलभा खोडके, प्रतापदादा अडसड, केवलराम काले, राजेश वानखड़े, प्रवीण तायडे, उमेश यावलकर, गजानन लवटे, नवनीत राणा, परिवहन और बंदरगाह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संजय सेठी, संभागीय आयुक्त श्वेता सिंघल, जिला कलेक्टर सौरभ कटियार, महाराष्ट्र हवाई अड्डा विकास कंपनी लिमिटेड के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक स्वाति पांडे आदि उपस्थित थे.

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि राज्य के विकास के लिए किए जा रहे समझौतों में विदर्भ को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है. इससे विदर्भ की तस्वीर बदल गई है. समृद्धि राजमार्ग को जेएनपीटी और वधान बंदरगाह से जोड़ा जाएगा. इसके साथ ही वैनगंगा-नलगंगा परियोजना में विदर्भ के सात जिले शामिल होंगे. इससे दस लाख हेक्टेयर भूमि सिंचाई के अंतर्गत आ जाएगी, जिससे किसान बेहतर खेती कर सकेंगे. यह परियोजना इस क्षेत्र की सूरत बदल देगी. यह परियोजना समय पर पूरी हो जाएगी और विदर्भ में सूखा स्थायी रूप से समाप्त हो जाएगा. अनुपजाऊ भूमि की कृषि की सिंचाई की जाएगी. इसके अलावा, नानाजी देशमुख कृषि संजीवनी परियोजना का दूसरा चरण 100 करोड़ रुपये की लागत से क्रियान्वित किया जाएगा. 6,000 करोड़ रु.लाएगा तथा इस क्षेत्र को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लाभ पहुंचाएगा. विभिन्न रोजगार अवसर भी सृजित होंगे. यह हवाई अड्डा क्षेत्र के लिए एक नई पहचान बनाएगा. चूंकि उद्यमी भी उद्योग स्थापित करने के लिए हवाई अड्डा क्षेत्र को प्राथमिकता दे रहे हैं, इसलिए यहां कपड़ा उद्योग को बढ़ावा मिलेगा. मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यहां बनने वाले पीएम मित्र पार्क से दो लाख रोजगार सृजित होंगे और कपास से कपड़ा और फिर फैशन तक कपास किसानों को लाभ होगा.

आज इस स्थान पर पहली उड़ान हो रही है तथा भविष्य में रात्रिकालीन लैंडिंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी. इसके साथ ही नवी मुंबई हवाई अड्डे के खुलने के बाद सुबह के सत्र के लिए उड़ान के समय को प्राथमिकता दी जाएगी. यहां दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा पायलट प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया जाएगा. इससे एक वर्ष में 180 पायलट तैयार होंगे. उन्हें प्रशिक्षित करने के लिए 34 विमान उपलब्ध होंगे. मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य में एयरपोर्ट का विस्तार किया जाएगा और जल्द ही एयरपोर्ट पूरी क्षमता से चालू हो जाएगा.

केंद्रीय मंत्री नायडू ने कहा-विचार और कार्य के माध्यम से, महाराष्ट्र की भूमि ने दूरदर्शिता और समर्पण की विरासत को संरक्षित किया है.अमरावती हवाई अड्डे ने इस क्षेत्र के विकास की नींव रखी है. राज्य में दूरदर्शी नेतृत्व से जनता को लाभ मिल रहा है. सरकार तुकड़ोजी महाराज के ग्राम भजन में निहित मानव सेवा के सार को संरक्षित कर रही है. देश के विकास में विमानन क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. हाल के वर्षों में यात्री हवाई यातायात में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. देश के 160 हवाई अड्डों में से 105 हवाई अड्डों पर परिचालन शुरू हो चुका है. इसके अलावा, दस वर्षों में उड़ानों की संख्या 159 से बढ़ाकर 400 कर दी गई है. मुंबई हवाई अड्डा भी एक प्रमुख हवाई अड्डा बन गया है. इसके पूरक के रूप में नवी मुंबई हवाई अड्डे का शुभारंभ किया जाएगा. हवाई अड्डे के साथ-साथ कार्गो, विमान मरम्मत और प्रशिक्षण केंद्र भी शुरू करना जरूरी है. इससे न केवल रोजगार सृजित होगा बल्कि इस क्षेत्र में उद्योग भी स्थापित होंगे. उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे हवाईअड्डा क्षेत्र विकसित हो रहा है, इसे पर्यावरण अनुकूल, जल-पुनःपूर्ति और सौर ऊर्जा संचालित बनाने पर जोर दिया जा रहा है.

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अमरावती में हवाई अड्डे का निर्माण रिकॉर्ड समय में पूरा होने पर बधाई दी. समृद्धि मार्ग, कोस्टल रोड, अटल सेतु, नवी मुंबई एयरपोर्ट, वधान पोर्ट के साथ-साथ राज्य में रायगढ़ में भी बंदरगाह बनाया जाएगा. राज्य मुख्य रूप से बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित करेगा और राज्य के विकास को गति देगा.अमरावती हवाई अड्डा एक क्रांतिकारी परियोजना साबित होगी. उन्होंने कहा कि महिलाओं, किसानों और युवाओं के लिए राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाएं जारी रहेंगी.

उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने कहा कि यह हवाई अड्डा एक मील का पत्थर है जो इस क्षेत्र के विकास को नई उड़ान देगा. सुविधाओं पर जोर दिया जा रहा है ताकि राज्य पीछे न रह जाए. यह मुख्य रूप से जल मुद्दों, बुनियादी ढांचे और राजमार्ग निर्माण पर केंद्रित है. आज महाराष्ट्र में सबसे अधिक हवाई अड्डे हैं. यवतमाल,अकोला में हवाई अड्डे के स्थल का मुद्दा भी सुलझ कर संचालन शुरू हो जाएगा.

गुणवत्ता *विश्वसनीयता* *तत्पर सेवा*

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048